वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 63 | शनिवार 1 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

संस्कृत स्कूलों में लगाए जाएंगे कंप्यूटर अनुदेशक

जयपुर ग्रामीण होगा नया जिला; कर्मचारियों के लिए भी निर्णय, स्कूलों में पढ़ाया जाएगा संविधान

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में शुक्रवार रात हुई कैबिनेट बैठक में कई फैसले लिए गए हैं। जयपुर ग्रामीण नया जिला बनाया जाएगा। बैठक में नए जिलों की सीमाओं को लेकर उठे विवाद को सुलझाने के लिए फॉर्मूला तय किया गया। कर्मचारियों को अब पहले 6 महीने में ही इंक्रीमेंट देने का फैसला किया गया। सरकार ने मंत्रालयिक और क्लर्क जॉब वाली भर्तियों में राजस्थान के जनरल नॉलेज से जुड़े सवालों को वैटेज देने का निर्णय किया। बैठक में जिलों के सीमांकन और नए जिलों में शामिल होने वाले क्षेत्रों को लेकर चर्चा की गई है। नए जिलों के गठन का नोटिफिकेशन जारी होने में अभी समय लगेगा। बैठक में तय किया गया है कि जिन नए जिलों की सीमा तय करने का विवाद है वहां लोगों की भावना के हिसाब से फैसला लिया जाएगा। सीएम ने विवाद दूर होने के बाद ही नोटिफिकेशन जारी करने को कहा है। दूदू जिले में शामिल करने को लेकर चाकसू, सांभर, फुलेरा, जोबनेर क्षेत्र के लोग विरोध कर रहे हैं। इस विरोध को देखते हुए अब दूदू को छोटा जिला रखकर बाकी क्षेत्रों को जयपुर ग्रामीण जिला बनाकर उसमें शामिल किया जाएगा। जयपुर शहर के लोग भी जयपुर के दो भाग जयपुर उत्तर और जयपुर दक्षिण करने का विरोध कर रहे हैं। पिछले दिनों जयपुर के विधायकों की सीएम

अशोक गहलोत के साथ हुई बैठक में सुझाव दिया गया था कि जयपुर के दो नगर निगमों में आने वाले वार्डों को जयपुर में रहने दिया जाए।

अब नए जिलों के नोटिफिकेशन 30 जून के बाद भी कर सकेंगे

जनगणना के कारण नए जिले, उपखंड से लेकर सब तरह की प्रशासनिक यूनिट बनाने पर अब 1 जुलाई से रोक नहीं लगेगी। जनगणना के लिए प्रशासनिक यूनिट सील करने की समय सीमा दिसंबर तक बढ़ा दी है। इस सीमा के बढ़ने से अब 30 जून के बाद भी नए जिलों का नोटिफिकेशन हो सकेगा। पहले जनगणना के लिए प्रशासनिक यूनिट को सील करने की समय सीमा 1 जुलाई थी, इसलिए 30 जून तक नए जिलों के नोटिफिकेशन करना जरूरी था। अब यह बाध्यता नहीं रही है।

क्लर्क ग्रेड वाली भर्ती परीक्षाओं में राजस्थान की GK के सवाल ज्यादा आएंगे

सरकार ने मंत्रालयिक और क्लर्क जॉब वाली भर्तियों की परीक्षाओं में राजस्थान के जनरल नॉलेज से जुड़े सवालों को वैटेज देने का फैसला किया है। क्लर्क, पीए ग्रेड सेकंड के सिलेबस में राजस्थान जीके के ज्यादा सवाल आएंगे। इससे राजस्थान के युवाओं को यहां की नौकरियों में ज्यादा फायदा होगा। राजस्थान का जीके ज्यादा आने से बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों की जगह राजस्थान के युवाओं को ज्यादा फायदा होगा। वहीं कर्मचारियों की सैलरी इंक्रीमेंट साल में 1 जनवरी और 1 जुलाई दो बार होगी।

कार्यक्रम में डेढ़ घंटे देरी से आई एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी

बैंक्वेट में क्षमता से ज्यादा लोग बुलाए, बाउंसर्स ने की धक्का-मुक्की, लोग हुए परेशान

जयपुर. कासं

होटल मैरियट में इंडो इंटरनेशनल अचीवर्स अवॉर्ड का आयोजन किया गया। इसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने शिरकत की। वे कार्यक्रम में निर्धारित समय से डेढ़ घंटे देरी से पहुंची, रात करीब 10 बजे उन्होंने स्टेज पर कदम रखा। कार्यक्रम में आयोजकों ने बैंक्वेट की क्षमता से अधिक लोगों को बुलवा लिया, जिसके चलते बाउंसर्स ने आम लोगों से लेकर वीआईपी और मीडियाकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की। परिणाम यह रहा कि इस चीजों से परेशान होकर लोग शो के बीच से ही निकल गए। इस कार्यक्रम में अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के साथ समाज में मूल्यवान स्थान बना चुके लगभग 70 हस्तियों को सम्मानित किया गया। जहां 70 अचीवर्स को

40 से ज्यादा कैटेगरीज, जैसे फैशन, एजुकेशन, बिजनेस, आर्ट एंड कल्चर, मेडिकल, ज्वेलरी, ब्लॉगर, एफ एंड बी, डिफेन्स में बेहतरीन योगदान के लिए अवॉर्ड प्रदान किया गया। कार्यक्रम की ब्रांड एम्बेसडर सुरभि गुप्ता, प्रबंधक रिंकु सिंह गुर्जर, अंबालिका शास्त्री सहित राज खान, रोहित जैन, गोल्डन बॉयज, कोणार्क जैन, हुकुम सिंह कुंपावत ने दीप प्रज्जवलन कर शुरूआत की। कार्यक्रम में फैशन सीक्वेंस भी आयोजित हुआ, जिसमें एलीट मिस राजस्थान के टैलेंट ने रैंप पर नए ट्रेंड्स को शोकेस किए। साथ ही कॉमेडी नाइट्स विद कपिल फेम कॉमेडियन और एंकर विकल्प मेहता ने सभी दर्शकों को खूब गुदगुदाया। सेलिब्रिटी शिल्पा शेट्टी ने बेस्ट क्रिप्टो टोकन इन इंडिया के लिए बिट फार्मा टोकन, सोशल एक्टिविस्ट डॉ प्रीती सोनी, बेस्ट फैशन डिजाइनर गौरव गुप्ता, बेस्ट मेकअप आर्टिस्ट जसमीत कौर, बेस्ट ज्वेलरी डिजाइनर रिंकू सैनी, बेस्ट पीआर के लिए स्पॉट्लाइट पीआर, बेस्ट डायटीशियन निशिका आदि कैटेगरीज में अवार्ड्स प्रदान किए गए।

जिस मार्ग से भगवान गुजर रहे हैं हम भी उस पर चले : मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

धौलपुर से विहार कर मनियां पहुंचा मुनि संघ। दो जुलाई को मुनि पुंगव का आगरा में भव्य मंगल प्रवेश

मनियां धौलपुर. शाबाश इंडिया

धन सभी चाहते हैं मै स्वयं धनवान बनूगा जो मेरे लिए विशेष रूप से हित कारी हैं लेकिन ये हर किसी को सम्भव नहीं है ये पहला मार्ग है दुसरा मार्ग सृष्टिकार ने खोजा जिस मार्ग से भगवान गुजर गये हम आने में लेट हो गए कोई बात नहीं जिस रास्ते से भगवान गुजरे हैं उस रास्ते की धूल अपने माथे पर लगा लेना। अपने को पुण्य हीनता से घबराना नहीं है स्पष्ट दिख रहा है कि मार्ग दर्शन नहीं है मार्ग तो सुरक्षित है हमें मार्ग पर गर्भ करना है हम गुणवान नहीं बन पाये तो कोई बात नहीं लेकिन गुणवान को देख कर हमारे अंदर अल्हाद भाव आ जायें।आपको कौन सी चीज को देख कर खुशी आती हो जिसकी चर्चा करके, जिसे देखकर इतना आनंद आ जाए कि तीन लोक में इससे बड़ा आनंद का छड़ और कोई नहीं हो सकता यदि भगवान को देखकर हमें ऐसा महसूस होता है कि इससे बड़ी खुशी हो नहीं सकती उक्त आश्य केउद्गार मुनि पुगंव श्री सुधा सागर जी महाराज ने मनियां धौलपुर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद से मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ का मंगल विहार आगरा की ओर चल रहा है दो जुलाई को प्रातः काल की वेला में मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज हरि पर्वत आगरा में भव्य प्रवेश करने जा रहे एक तारीख की जिज्ञासा समाधान छीपीटोला में होने की सम्भावना बन रही है। ज्ञात हो कि आचार्य श्री के संकेत के बाद पिछले दो सप्ताह से मुनि संघ का निरतंर विहार चल रहा है । उन्होंने कहा कि यदि तुम आज मन्दिर जाओगे तो एक कौड़ी भी नहीं मिलेगी और यदि तू आज दर्शन करने नहीं गया तो लाखों का भंडार मिलेगा अव फैसला आपका है आज मह मनियां में बेठे है मनियां और बनिया में एक अक्षर का अंतर है एक दिन का तो सवाल है आज दर्शन छोड़ने से चक्रवर्ती पद मिल रहा है महाराज आप तो चक्रवर्ती पद की बात कर रहे हैं यदि ग्राहक आ गया तो मन्दिर जाने के पहले ग्राहक को निपटाने में लग जायेगा रास्ते का भी एक आनंद है ग्वालियर और आगरा के वीच मनियां गांव के का भाग्य है अपनी जिंदगी में बड़े आदमी की संगति जरुर कर लेना साधु नहीं बन पाये तो कोई बात नहीं है लेकिन साधु की संगति जरुर कर लेना साधु ना कुछ देता है और ना लेता है लेकिन साधु की संगति ही तुम्हारे जीवन का उद्धार कर देंगी।

जैन भवन में लिफ्ट लगवाने के कार्य का शुभ आरम्भ

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर नगर जैन मंदिर के पास जैन भवन में लिफ्ट लगवाने का कार्य का शुभ आरम्भ सुबह मन्दिर कार्यकारणी के सदस्यो के निर्देशन में मंत्रोचार के साथ शुरू हो गया मंत्रोचार रतन लाल कोठ्यारी ने कराया इस अवसर पर अध्यक्ष अनिल जैन उपाध्यक्ष दर्शन जैन मंत्री सुनील बज सुयुक्त मंत्री पवन जैन (तिजारा वाले) और कार्यकारणी के सदस्य उपस्थित थे । मन्दिर जी कमेटी के अध्यक्ष अनिल जैन ने लिफ्ट में सहयोगकर्ता ज्ञान चंद क्षितिज छाबड़ा (गोनेर वालो) का मंदिर परिवार की और से तिलक और माला पहनाकर स्वागत किया ।मन्त्री सुनील बज ने बताया की जैन भवन में लिफ्ट के लगने से जैन भवन में चल रहे। भगवान महावीर चिकित्सालय में आने वाले लोगो को लाभ मिलेगा। उपाध्यक्ष दर्शन बाकलीवाल ने बताया कि लिफ्ट का कार्य नितिन दीपाली की देख रेख में होगा।

ज्ञानतीर्थ में रविवार को होगा वर्षायोग कलश स्थापना समारोह

सप्तम पट्टाचार्य ज्ञेयसागर महाराज का होगा वर्षायोग

मनोज नायक. शाबाश इंडिया। मुरैना। पावन वर्षायोग का भव्य मंगल कलश स्थापना समारोह ज्ञानतीर्थ पर रविवार 2 जुलाई को मनाया जा रहा है । ज्ञानज्ञेय वर्षायोग समिति के मुख्य संयोजक रूपेश जैन चांदी वाले आगरा ने जानकारी देते हुए बताया कि परम पूज्य गुरुदेव सराकोद्धारक, छाणी परंपरा के षष्ठ पट्टाचार्य श्री ज्ञानसागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज ससंघ का भव्य पावन वर्षायोग 2023 ए बी रोड मुरैना में स्थित श्री दिगम्बर जैन ज्ञानतीर्थ क्षेत्र जैन मंदिर में होना सुनिश्चित हुआ है । आचार्य संघ के संघस्थ मुनिश्री ज्ञातसागर महाराज, मुनिश्री नियोगसागर महाराज, क्षुल्लक सहजसागर, ब्र.ब.अनीता दीदी, मंजुला दीदी, ललिता दीदी, ब्र.महावीर भैयाजी भी ज्ञानतीर्थ पर चातुर्मास करेंगे। वर्षायोग स्थापना के समय विधि विधान पूर्वक संकल्प के साथ मंगल कलश की स्थापना की जाती है । आचार्य श्री ग्येयसागर महाराज का वर्षायोग कलश 2 जुलाई को दोपहर 01 बजे स्थापित होगा । कलश स्थापना की समस्त मांगलिक क्रियायें ब्रह्मचारी नितिन भैयाजी खुरई संपन्न कराएंगे । ज्ञानतीर्थ पर विराजमान ब्रह्मचारिणी बहिन अनीता दीदी, मंजुला दीदी, ललिता दीदी का निर्देशन रहेगा । वर्षायोग समिति के अध्यक्ष योगेश जैन खतौली वाले दिल्ली एवम संयोजक विजय जैन गहना ज्वेलर्स ने बताया कि समारोह में दिल्ली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, आगरा, धौलपुर, मनियां, राजाखेड़ा, अंबाह, पोरसा, जोंरा, सुमावली, बानमोर, लश्कर, ग्वालियर, मुरार सहित सम्पूर्ण भारतवर्ष से हजारों की संख्या में गुरुभक्त सम्मिलित होगे । समारोह में आगंतुक सभी भक्तों के लिए गुरुदेव के परम भक्त स्व.लाला गुलशनराय जैन अनिल होजरी समस्त हलुआ वाले परिवार की ओर से भोजन की व्यवस्था की गई है । श्री ज्ञानतीर्थ आराधक महा परिवार एवम सकल जैन समाज मुरैना ने अधिकाधिक संख्या में कलश स्थापना समारोह में उपस्थित होने की अपील की है ।

दो दिवसीय धार्मिक यात्रा दल जयपुर लौटा

वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चन्द्र छाबड़ा ने लिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। वरिष्ठ पत्रकार एवं श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरि के संरक्षक प्रवीण चन्द्र छाबड़ा के नेतृत्व में जयपुर से अतिशय क्षेत्र आवां एवं स्वस्ति धाम जहाजपुर गया धार्मिक यात्रा दल जयपुर लौट आया। यात्रा के दौरान भगवान महावीर के सिद्धांत जीओ और जीने दो, अहिंसा,शाकाहार का प्रचार प्रसार किया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि जयपुर के तारों की कूंट स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से यात्रा दल जयकारों के साथ गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी की प्रेरणा से निर्मित श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र स्वस्तिधाम जहाजपुर के दर्शनार्थ रवाना होकर जहाजपुर पहुंचा।

विद्यालय में वाटर कूलर सप्रेम भेंट

रावतसर. शाबाश इंडिया। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नं 3 रावतसर में आज बिहाणी परिवार आनंद प्रकाश व दिनेश कुमार बिहाणी ने अपनी माता स्व. श्रीमती मोहिनी देवी धर्मपत्नी श्री गुलाब चंद जी बिहाणी की स्मृति में एक वाटर कूलर भेंट किया। इस मौके पर बिहाणी परिवार के सदस्य, यूसीईईओ प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़, वार्ड वासी व विद्यालय स्टाफ व बच्चे उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़ ने विद्यालय परिवार की तरफ से बिहाणी परिवार का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा ग्रीष्म कालीन अवकाश के दौरान विद्यालय में जनसहयोग से लगभग डेढ़ लाख रुपए के विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। जिसमें विद्यालय भवन का रंग रोगन, कार्यालय के लिए लेपटॉप मय प्रिंटर, एबीएल कक्ष हेतु एल ई डी टीवी , प्रार्थना सभा हेतु साउंड सिस्टम आदि शामिल हैं। उन्होंने इस कार्य में सहयोग करने वाले सभी भामाशाहों का आभार प्रकट किया तथा आगे भी विद्यालय में इसी तरह जुड़े रहने हेतु विश्वास प्रकट किया । कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रधानाध्यापिका श्रीमती सावित्री स्वामी ने कार्यक्रम में पधारे सभी मेहमानों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

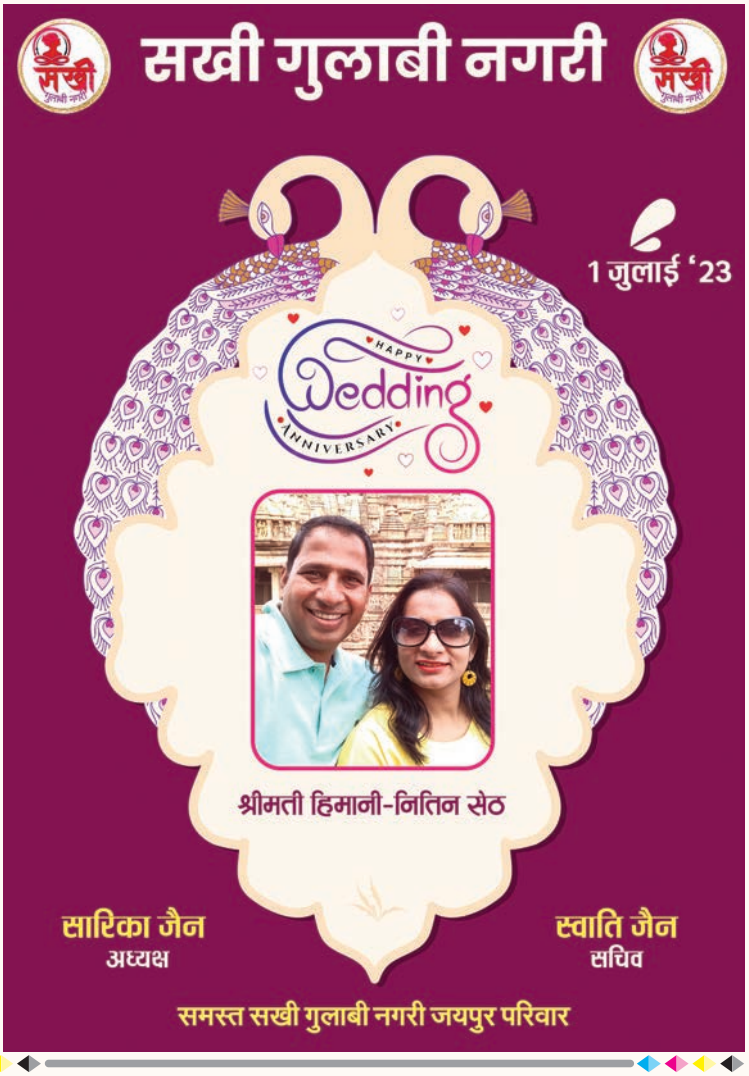

वेद ज्ञान

सजगता से जीवन में आनंद

आनंदपूर्वक जीवन जीना एक कला है और आनंद की खोज कहीं और नहीं, बल्कि मनुष्य को अपने भीतर ही करनी पड़ती है। मनुष्य की प्रत्येक सांस में आनंद है। यदि वह प्रत्येक पल को सजगता से जिए तो उसके जीवन में आनंद ही आनंद है। इसी तरह जो व्यक्ति सजग नहीं है, उसके जीवन में दुख ही दुख है। सजगता का अर्थ अपने प्रति जागरूक रहना है। व्यक्ति को अपनी दैनिक गतिविधियों, अपने विचारों और कर्मों के प्रति सजग रहना चाहिए। आप ऐसा तभी कर सकते हैं, जब अपने आपको जानते हों यानी अपने संपूर्ण व्यक्तित्व को पहचानते हों या जब आप किसी वस्तु में गहरी अभिरुचि रखते हों। जब आप किसी चीज को जानने की कोशिश करते हैं और इस जानने की क्रिया में निरंतरता लाते हैं तो आप अपने विचारों और लक्ष्यों के प्रति सजग होते जाते हैं और तब हर चीज से रहस्य का आवरण हटता जाता है। जब हम अपने प्रति या अपने कर्मों के प्रति सजग नहीं हैं तो प्रकृति भी हमारे साथ उसी हिसाब से न्याय करती है। ज्ञान से ही हममें सजगता आती है जिससे हम किसी भी वस्तु, परिस्थिति, घटना और भावना से खुश या परेशान नहीं होते। ज्ञान के अभाव में ही व्यक्ति इन चीजों से या तो बहुत खुश या दुखी हो जाता है। ज्ञानवान होने के बावजूद जिनमें सजगता का अभाव होता है, उनका स्वभाव ऐसा होता है कि वे कहते कुछ हैं और करते कुछ और हैं। इसलिए वे यही शिकायत करते रहते हैं कि उन्हें यह नहीं मिला या वह नहीं मिला। उन्हें न ही अपनी बुराई दिखाई देती है और न ही वे अपनी समस्या को ठीक से समझ पाते हैं। नतीजा यह होता है कि वे शिकायतें ही करते रहते हैं। मसलन यदि हमें क्रोध आता है तो सजग व्यक्ति उसे दबाने के बजाय उसे प्रकट करेगा, क्योंकि वह जान चुका होता है कि क्रोध को दबाने से नहीं, बल्कि उसके बाहर निकलने पर मनुष्य को शांति मिलती है। अध्यात्म में कहा गया है कि पहले अपनी बुराई को पहचानो, सीधे उससे लड़ने न लग जाओ। हम अपनी बुराई को जितना जानेंगे-पहचानेंगे, बुराई उतनी ही कम होती जाएगी और एक समय ऐसा आएगा जब वह पूरी तरह नष्ट हो जाएगी। इसी क्रिया का नाम सजगता है।

संपादकीय

समाज के सभ्य और आधुनिक होने की कसौटी...

किसी भी समाज के सभ्य और आधुनिक होने की कसौटी यही है कि वह किसी वयस्क युवा की पसंद या उनके अधिकारों का सम्मान करे। गुजरात के सूरत जिले में अपनी पसंद के युवक से विवाह करने के बाद जिस तरह एक युवती की हत्या उसके भाई ने कर दी, वह एक बार फिर झूठे सम्मान के नाम पर समाज में पल रहे विद्रूप को ही दर्शाता है। इस घटना ने फिर से इस जरूरत को रेखांकित किया है कि अर्थव्यवस्था से लेकर तमाम मोर्चों पर विकास के दावे के बीच सामाजिक स्तर पर कायम पूर्वाग्रहों-दुराग्रहों को दूर करने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सूरत के लिंबायत इलाके में एक युवती और उसके पड़ोस के युवक एक दूसरे को पसंद करते थे। लड़की के परिवार वालों की इच्छा के विरुद्ध दोनों ने आपसी सहमति से अदालत में विवाह कर लिया। हालांकि लड़के के परिवार के बीच इस संबंध को लेकर स्वीकार्यता थी और उन लोगों ने सामाजिक रीति-रिवाज से विवाह समारोह का आयोजन किया था। लेकिन लड़की के रिश्ते के एक भाई ने समारोह के बीच जाकर उस पर चाकू से हमला कर दिया। खबरों के मुताबिक, हत्या के आरोपी और लड़की के परिवार वालों को उसका जाति से बाहर विवाह करना नागवार गुजरा था। दरअसल, सामाजिक-आर्थिक हैसियत से बाहर किसी लड़की का अपनी पसंद से लड़के से विवाह और उस पर परिवार और समाज की ओर से मुखर आपत्ति ऐसा सवाल है, जो अमूमन हर स्तर पर विकास और आधुनिकता के बीच आज भी अक्सर बेहद अफसोसनाक शक्ल में उभर आता है। सरकार आए दिन सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों की घोषणा करती है, समाज सुधार के प्रयासों को लेकर भी दावे किए जाते रहते हैं, लेकिन सच यही है कि जाति और वर्ग के बीच सदियों से कायम एक त्रासद फांक को दूर करने में अब तक कामयाबी नहीं मिल सकी है। आखिर क्या वजह है कि किसी व्यक्ति के भीतर स्त्रियों और अन्य परंपराओं को लेकर रूढ़ धारणाएं इस कदर गहरे बैठी होती हैं कि इसमें वह बदलाव स्वीकार नहीं कर पाता है! शिक्षा-दीक्षा से लेकर रहन-सहन तक के मामले में ज्यादातर लोग उच्च गुणवत्ता की पढ़ाई-लिखाई और वक्त के साथ बदलते चलन के मुताबिक आधुनिक वेश-भूषा और जीवनशैली अपनाने की अपनी ओर से कोशिश करते हैं। मगर स्त्रियों, जाति और धर्म को लेकर कायम पितृसत्तात्मक जड़ता इस कदर हावी रहती है कि इस मुद्दे पर कुछ लोग न केवल सामाजिक बहिष्कार, बल्कि हिंसा और हत्या तक करने से नहीं हिचकते। किसी भी समाज के सभ्य और आधुनिक होने की कसौटी यही है कि वह किसी वयस्क युवा की पसंद या उनके अधिकारों का सम्मान करे। लेकिन ऐसा लगता है कि संवैधानिक या कानूनी तौर पर की गई व्यवस्थाओं के बावजूद समाज का एक बड़ा तबका आज भी मनोवैज्ञानिक रूप से न केवल विकृत रूढ़ियों से जकड़ा हुआ है, बल्कि इनके प्रभाव में वह आपराधिक हरकत भी कर बैठता है। यह समझना मुश्किल है कि महज अपनी पसंद से विवाह करने पर किसी युवती की हत्या करने से किस तरह का सम्मान बच जाता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

असुरक्षा बोध

भारत को लेकर पाकिस्तान का असुरक्षा बोध अक्सर सामने आता रहता है। इसी वजह से वह भारत के खिलाफ नाहक बयानबाजी से लेकर तथ्यहीन प्रचार तक करने से बाज नहीं आता। विडंबना यह है कि जिन खेलों को देशों के बीच संबंधों में सौहार्द लाने और इसके जरिए सुधार की उम्मीद माना जाता रहा है, पाकिस्तान उनमें भी नाहक और अपरिपक्व जिद का प्रदर्शन करने लगा है। गौरतलब है कि इस साल भारत की मेजबानी में खेले जाने वाले एकदिवसीय क्रिकेट विश्वकप मैचों का कार्यक्रम मंगलवार को जारी किया गया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आइसीसी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ की ओर से जारी कार्यक्रम के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने मैच को चेन्नई से बंगलुरु और आस्ट्रेलिया से अपने मैच को बंगलुरु से चेन्नई में पुनर्निर्धारित करने के लिए कहा था। माना जाता है कि चेन्नई में निर्धारित मैदान की पिच स्पिनरों के लिए मददगार होती है। पाकिस्तान टीम प्रबंधन को यह डर था कि अगर उस मैदान पर शानदार स्पिन गेंदबाजों से लैस अफगानिस्तान टीम से उसका सामना होता है तो उसे नुकसान हो सकता है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान की हठधर्मिता एक विचित्र रूप में सामने आ रही है और इसकी वजह से वह एक अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में अपने मुताबिक जगह बदलने जैसी हास्यास्पद मांग करने से नहीं हिचक रहा है। जाहिर है, यह ऐसी मांग थी जिसे केवल बचकाना और नाहक भय का नतीजा कहा जा सकता था। यह बेवजह नहीं है कि मैचों के कार्यक्रम और स्थलों पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से उठाई गई तमाम आपत्तियों को आइसीसी ने खारिज कर दिया। यह एक तरह से पाकिस्तान की दोहरी फजीहत है, जिसमें उसके भीतर का डर भी सामने आया। अपनी टीम की क्षमता में सुधार और उसे किसी भी मैदान पर सामना करके जीतने लायक बनाने के बजाय पिच की वजह से स्थल बदलने की मांग उसकी सीमा को ही दर्शाती है लेकिन इसके बाद अब पीसीबी की ओर से एक समस्या यह रख दी गई विश्व कप में हमारा खेलना और अहमदाबाद में या सेमीफाइनल में पहुंचने पर मुंबई में खेलना पाकिस्तान सरकार से मंजूरी मिलने पर निर्भर करता है। सवाल है कि पाकिस्तान टीम प्रबंधन के भीतर चल रहा यह द्वंद्व आखिर किस तरह के आग्रहों का नतीजा है। विश्वकप जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन में मैचों के लिए कार्यक्रम या स्थल को निर्धारित करते हुए किसी खास देश को लेकर रणनीति बनाने जैसी बातें ध्यान में नहीं रखी जाती हैं। सभी देशों को समान भाव से देखा जाता है। हालांकि संभावित सुरक्षा खतरे के मसले पर आयोजन स्थल में बदलाव भी किया जाता है। लेकिन आइसीसी को इस मामले में ऐसी कोई आशंका नहीं दिखी। अपने साथ होने वाले मैचों में जिन स्थलों पर पाकिस्तान को आपत्ति हो रही थी, वहां अगर वह नहीं होता तो किसी न किसी टीम को होना ही था। लेकिन पाकिस्तान की समस्या यह है कि उसे भारत की मेजबानी में हो रही प्रतियोगिता में हारना पसंद नहीं है, इसलिए वह किसी खास पिच पर खेलने से हिचक रहा है। यह अपनी ही कमजोरी को सार्वजनिक करना है।

रॉयल राजपूत संगठन ने सोशल इनफ्लुएंसर दीप कंवर को किया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजपूत सभा भवन मे रॉयल राजपूत संगठन के तत्वावधान में आयोजित राजपूत समाज के प्रतिभावान एवं होनहार छात्र-छात्राओं के लिए पुरस्कार वितरण-सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस आयोजन के मौके पर प्रदेश के सभी प्रतिभावान एवं मेधावी छात्र-छात्राएं जिन्होंने 75% से ऊपर मार्क्स प्राप्त किए। उन सभी को रॉयल राजपूत संगठन के द्वारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी कार्यक्रम में राजस्थान पत्रिका एवं एफएम तड़का के वूमेन रिकॉग्निशन अवार्ड की विजेता, समाजसेवी एवं नेचर लवर को उनके इस कार्यक्रम में सहयोग, सामाजिक कार्यों एवं पर्यावरण संरक्षण में अपनी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए रॉयल राजपूत संगठन के द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने इस सम्मान के लिए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष केसर सिंह एवं ललितेश शेखावत एवं सभी रॉयल राजपूत संगठन के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस आयोजन के समारोह में विशिष्ट अतिथि डॉ पंकज चंदेल ने सभी छात्र-छात्राओं अपनी मोटिवेशनल स्पीच के द्वारा मार्गदर्शन किया। संगठन प्रवक्ता रीता सिंह एवं जिला उपाध्यक्ष सुमन कंवर एवं मीडिया प्रभारी उमा राठौड़ ने पूरे कार्यक्रम का समां बांधे रखा। कार्यक्रम मे विशेष अतिथि बस्सी रानीसा महेंद्र कंवर अपनी उपस्थिति दर्ज कर सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाया।

संतबाद, संघवाद और पंथवाद छोड़ो सभी संघों के संतों से नाता जोड़ो : राष्ट्रसंत विहर्ष सागर जी

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। जैन दर्शन में तीर्थंकर आदिनाथ से लेकर महावीर तक 24 तीर्थंकर हुए हैं और सभी हमारे लिए वंदनीय और पूजनीय हैं, सभी तीर्थंकरों ने जीवो के कल्याण के लिए एक समान उपदेश दिया है। वर्तमान में पंच परमेष्ठी के रूप में अरहंत, सिद्ध परमेष्ठी हमारे बीच नहीं है लेकिन आचार्य, उपाध्याय और मुनि परमेष्ठी उपलब्ध हैं और वे किसी भी संघ या पंथ के हों सभी समान रूप से पूज्यनीय व वंदनीय हैं और जगत कल्याणी जिनेंद्र की वाणी सुनाते हैं। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि जिस प्रकारआप 24 तीर्थंकरों को मानते हो उसी प्रकार वर्तमान में संत बाद, पंथवाद और संघवाद छोड़ो और समान रूप से सभी संघों के आचार्य, उपाध्याय और साधुओं से नाता जोड़ो एवं उनकी विनय पूर्वक भक्ति करो। यह उद्गार शुक्रवार को राष्ट्रसंत विहर्ष सागर जी महाराज ने दिगंबर जैन आदिनाथ जिनालय छत्रपति नगर में चल रहे ।सिद्धचक्र महामंडल विधान पूजन में बैठे भक्तों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। आपने आगे कहा कि सिद्धचक्र मंडल विधान पूजन के माध्यम से जो लोग विनय पूर्वक सिद्ध परमेष्ठी की आराधना भक्ति कर रहे हैं वह सब पुण्य शाली जीव और भविष्य के भावी भगवान हैं। आचार्यश्री ने कहा कि जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसपर हमें गर्व होना चाहिये जैन दर्शन में विनियाचार के साथ जो जीव शास्त्रों में वर्णित 16 भावनाएं भाता है उसका कल्याण होता है, कर्मों की निर्जरा होती है और उसका तीर्थंकर बनने का मार्ग प्रशस्त होता है।

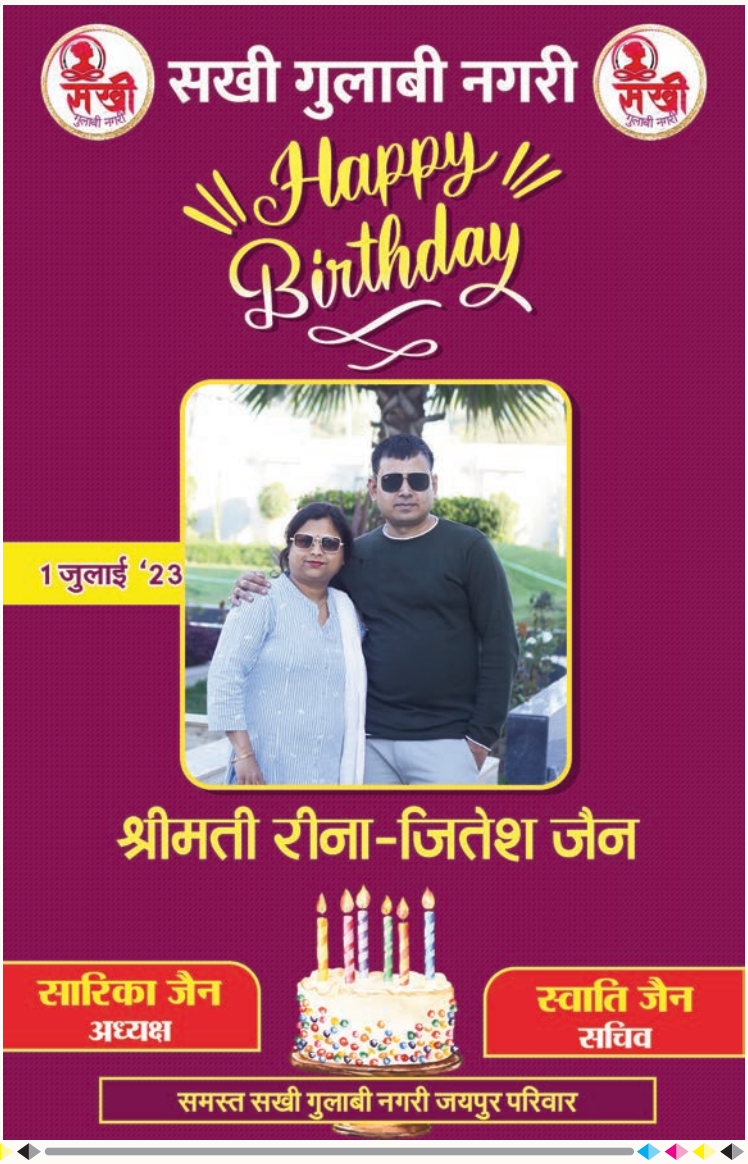

नवीन विज्ञा तीर्थ पर यागमण्डल विधान का हुआ आयोजन

9 जूलाई को होगा सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ पर वर्षायोग मंगल कलश स्थापना समारोह

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई । अष्टान्हिका पर्व मे गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ पर यागमण्डल विधान आयोजित किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने नवीन तीर्थ पर जाकर पूजा अर्चना की। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि विधान से पूर्व श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ की शांतिधारा करके अभिषेक किए। पण्डित विमल कुमार बनेठा के निर्देशन मे अष्टान्हिका पर्व के पाचंवे दिन वेदी पर विराजमान भगवान की पूजा अर्चना की गई। इस दौरान यागमण्डल विधान के तहत पांच मंगल कलश की स्थापना कर यागमण्डल का विधान का समवशरण रचाया जिसमें दीप प्रज्वलन एवं आर्यिका माताजी को श्री फल अर्ध्य चडाने का सोभाग्य राजेश जैन अशोक जैन विष्णु बोहरा महावीर प्रसाद छाबड़ा नरेश जैन मनोज जैन हितेश छाबड़ा मनोज पाटनी सुशील जैन त्रिलोक जैन सहित अनेक लोंगो को मिला। विधान मे 120 श्री फल अर्ध्य चडाया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत पण्डित विमल कुमार बनेठा के मंत्रोच्चार द्वारा गाजेबाजे के साथ सांवलिया जी मंदिर के श्री जी को भी विधि विधान के साथ स्थापित किया। इस अवसर पर आयिका विज्ञाश्री माताजी ने सहस्त्रकूट पर धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि भक्ति ही भक्त को भगवान बना देता है। अष्टान्हिका पर्व मे की गई आराधना का अचिंत्य फल है।उन्होंने कहा कि सिद्धो की आराधना सिद्ध पद की प्राप्ति मे सहायक बनती है। उन्होंने कहा कि इस पर्व मे की गई आराधना सातिशय पुण्य का कारण है।

हमें अपने जीवन में परिवर्तन लाना चाहिए: मुनि श्रद्धानंद जी महाराज

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। गायत्री नगर स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में शुक्रवार को मुनि श्रद्धानंद जी महाराज एवं मुनि श्री पवित्रानंद जी महाराज जी के सानिध्य में शांति धारा अभिषेक कार्यक्रम संपन्न हुए। समाज अध्यक्ष प्रकाश पाटनी ने बताया कि दिन मे स्वाध्याय एवं सायंकालीन आनन्द यात्रा एवं आरती के दौरान श्रद्धालुओं का अपार उत्साह रहा है। संतोष कासलीवाल ने बताया कि आज चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन का सौभाग्य विनोद पाटनी सुधीर पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ है। मुनिश्री को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य युवा समाजसेवी अमित गोधा को प्राप्त हुआ। प्रवचन के पूर्व मंगलाचरण मानवी गदिया द्वारा किया गया।

श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का दो दिवसीय द्वितीय स्थापना समारोह के पोस्टर का विमोचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, केसर चौराहा, मुहाना मंडी का दो दिवसीय कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन आर्यिका 105 विज्ञान श्री माताजी के सानिध्य में हुआ। मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर कासलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर सुशील माधो राजपुरा वाले, नरेश जैन, अंकुर जैन, मोहित जैन आदि भी उपस्थित थे। शनिवार को द्वितीय स्थापना दिवस का शुभारंभ ध्वजारोहणकर्ता धर्मश्रेष्ठी सतीश - श्रीमती सुमन जैन यूडीवी द्वारा किया जायेगा। प्रातः घट रथ व कलश यात्रा निकाली जायेगी तत्पश्चात श्रीजी के अभिषेक व शांतिधारा होगी ।रात्रि में 7:00 बजे 48 दीपकों से संगीतमय भक्तामर आदि एंड जैन पार्टी द्वारा होगा ।समिति के सचिव नरेश जैन ने बताया कि दूसरे दिन रविवार 2 जुलाई को प्रातः 7:00 बजे श्रीजी के अभिषेक व शांतिधारा होगी ।चित्र अनावरण भागचंद - रेखा गंगवाल द्वारा किया जायेगा ।8:30 बजे विघ्नहरण पार्श्वनाथ विधान साजो से होगा।रात्रि में 108 दीपों से महाआरती एंड सांस्कृति प्रोग्राम होगा।

आचार्य श्री 108 चैत्यसागर जी महाराज ससंघ का पावन चातुर्मास स्थापना रविवार 2 जुलाई 2023 दोपहर 3 बजे से

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर की प्रकृति की गोद में बसे अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा की पावन धरा पर परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमलसागर जी महाराज के पट्टाशिष्य सर्वांगभूषण आचार्य श्री 108 चैत्यसागर जी महाराज ससंघ का पावन वर्षायोग मनाने का हमें सुअवसर प्राप्त हुआ है जिसकी विधिवत चातुर्मास स्थापना रविवार 2 जुलाई 2023 को दोपहर 3 बजे से की जाएगी।

भर्तेश्वर मति माताजी व विशेष मति माताजी का हुआ मंगल मिलन

जयपुर के लिए विहार रत विशेष मति माताजी ने बगरू में भर्तेश्वर मति माताजी से प्राप्त किया मंगल आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर जयपुर के लिए चातुर्मास हेतु विहार रत आर्यिका 105 श्री विशेष मति माताजी का गणिनी आर्यिका 105 श्री भर्तेश्वरमति माताजी जो कि बगरू में चातुर्मास हेतु प्रवास रत है, का बगरू में मधुर मिलन हुआ। समाज ने जैन मोहल्ला बगरू पर सभी का स्वागत किया तथा विशेष मति माताजी ने वहाँ गणिनी आर्यिका भर्तेश्वर मति माताजी के चरण वंदन कर अभिवादन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जैन मोहल्ला से जुलूस के रूप में गाजे बाजे के साथ दोनों संघ ने जैन मंदिर में प्रवेश किया जहाँ धर्म सभा हुई । रास्ते में जगह जगह समाज ने आर्यिकाओ का पाद प्रक्षालन व आरती की। धर्म सभा में विशेष मति माताजी ने कहा की जनकपुरी समाज के कारण ही आज मुझे गणिनी आर्यिका का व बगरू समाज का वात्सल्य मिल पाया है। भर्तेश्वरमति माताजी ने आशीर्वाद दिया की चातुर्मास सानंद धर्म प्रभावना के साथ संपन्न हो । विशेष मति माताजी की कल बड़ के बालाजी में आहारचर्या संभावित है।

लोकप्रिय सांसद श्री रामचरण जी बोहरा को
जन्मदिवस की
हार्दिक शुभकामनायें
गो माता सेवार्थ ग्रुप दुर्गापुरा गोशाला
की तरफ से बहुत-बहुत बधाई

आती जाती सरकारों से

आती-जाती सरकारों से,
अब क्या लेना ?
प्रलोभन के गलियारों से,
अब क्या लेना ?
झूठे आश्वासनों के नारों से,
अब क्या लेना ?
कपोल कल्पनाओं की चाशनी में,
डूबे जुमलों की बौछारों से,
अब क्या लेना ?
शिक्षा के जब द्वार खुले हैं।
समता के जब सबको अधिकार मिले हैं।
जब सोच समझ कर ही,
अपना बहुमूल्य मतदान अब है देना,
तो फिर बेमतलब की दौड़ भाग से,
अब क्या लेना ?
आती-जाती सरकारों से,
अब क्या लेना ?

डॉ. कांता मीना
शिक्षाविद् एवं साहित्यकार

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com